ज्ञान विचार

कमजोर तब रुकते हैं जब वो थक जाते है और विजेता तब रुकते हैं जब वो जीत जाते हैं।

PKL NO.KKR/184/2024-26

हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
सह संपादिका : सृष्टि देवी
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233

HAR/HIN /2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 16 अगस्त 2025 वर्ष : 8, अंक : 10 पृष्ट : 4 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

पिहोवा की सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर भव्य एवं दर्शनीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी सरकार : सीएम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गांव थाना के ब्रह्मसरोवर का किया निरीक्षण, थाना राजकीय स्कूल के प्रांगण में किया पौधारोपण

गजब हरियाणा न्यूज
डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिहोवा की सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर भव्य एवं दर्शनीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजनाओं को सरकार अमलीजामा पहनाने का काम कर रही है। इन्हीं धरोहरों में शुमार ब्रह्मसरोवर हमारी संस्कृति की पहचान है, इसे जीवित रखना सरकार का दायित्व है। अहम पहलू यह है कि इसी ब्रह्मसरोवर व आस-पास लगभग 102 एकड़ में फैले इस तीर्थ पर देश विदेशों से प्रवासी पक्षी निर्धारित समय में भ्रमण के लिए आते है। जो इसके महत्व को दर्शाने का काम कर रहे है। इसके लिए सरकार तीर्थों पर जीर्णोद्धार कर उसे संजोकर रखने का काम कर रही है ताकि आने वाली भावी पीढ़ी इस सांस्कृतिक धरोहर को देख सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को गांव थाना स्थित ब्रह्मसरोवर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद नवीन जिंदल, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती, भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी ने ब्रह्मसरोवर तीर्थ का निरीक्षण किया और राजकीय स्कूल के प्रांगण में पौधा रोपण भी किया। इस दौरान ओएसडी भारत भूषण भारती ने ब्रह्मसरोवर पर चल रहे प्रोजेक्ट की प्रगति रिपोर्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यहां पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पौधा रोपण भी किया। इस कार्यक्रम में गांव के सरपंच द्वारा सौंपे गए मांग पत्र की सभी मांगों को संबंधित विभागों को भेजकर

पूरा करवाने का आश्वासन दिया, साथ ही गांव के विकास के लिए 21 लाख रुपए अनुदान राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की जनता ने पहले केंद्र में भाजपा की सरकार को बनाया, फिर प्रदेश की सरकार को पूर्ण बहुमत से बनाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भी उसी गति से विकास कार्य कर रही है। आज प्रदेश में एक कोने से दूसरे कोने में जाने के लिए बनाए गए नेशनल हाईवे से 3 से 4 घंटे में सफर पूरा हो जाता है। ऐसा कोई जिला नहीं बचा है जो नैशनल हाईवे से नहीं जुड़ा हो।

उन्होंने कहा कि पंचायती जमीन पर 20 सालों से मकान बनाकर रहने वाले लोगों को 2004 के कलैक्टर रेट पर 500 गज तक की भूमि उनके नाम करने का कानून बनाया गया है। इससे बहुत गांवों में चल रहे कोर्ट के केस भी समाप्त हो गए, अंग्रेजों के समय से किसानों पर लग रहे अबियाने को जड़ से समाप्त किया गया और अबियाने की 133 करोड़ रुपए की राशि को भी प्रदेश सरकार ने माफ करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश में हरियाणा पहला राज्य है जहां पर किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदा जाता है, साथ ही किसानों की सब्जी की फसल को भावांतर भरपाई योजना के तहत खरीदा जा रहा है। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र ही नहीं हरियाणा प्रदेश के हर क्षेत्र का सबका साथ सबका विकास और हरियाणा एक हरियाणवी एक की नीति के आधार पर विकास कार्य किए जा रहे है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिहोवा हल्के के गांव स्योंसर और गांव थाना को अनेकों परियोजनाएं सौगात के रूप में दी है जो आने वाले समय में पिहोवा तीर्थ नगरी को विश्व दर्शनीय स्थली के रूप में एक नई पहचान देगी। गांव की सरपंच प्रियंका ने मुख्यमंत्री के साथ-साथ अन्य मेहमानों का स्वागत किया और मुख्यमंत्री के समक्ष गांव के विकास को लेकर मांग पत्र भी रखा। इस मौके पर सांसद नवीन जिंदल, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, ओएसडी भारत भूषण भारती, भाजपा नेता जय भगवान शर्मा डीडी, भाजपा नेता सुभाष कलसाना, पूर्व विधायक कुलवंत बाजीगर, जिला अध्यक्ष तिजेन्द्र सिंह गोल्डी, जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर, सचिन नंबरदार सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गजब हरियाणा परिवार की ओर से स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) की सभी देश वासियों को हार्दिक बधाई।

कुरुक्षेत्र को 31 अगस्त तक बेसहारा पशुओं से मुक्त जिला बनाने के लक्ष्य को पूरा करे अधिकारी : डीसी

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । उपायुक्त महावीर प्रसाद ने कहा कि कुरुक्षेत्र को 31 अगस्त तक बेसहारा पशुओं से मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा करना है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभी उपमंडल के एसडीएम और नगर परिषद तथा नगर पालिकाओं के अधिकारी मेहनत और ईमानदारी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करेंगे। इतना ही नहीं प्रतिदिन कुरुक्षेत्र से लगभग 100 बेसहारा पशुओं को गौशालाओं तक पहुंचाने के लक्ष्य के लिए योजना तैयार करेंगे। अहम पहलू यह है कि नगर परिषद और नगर पालिकाओं से मिली रिपोर्ट के अनुसार कुरुक्षेत्र जिले में लगभग 1500 बेसहारा पशु सड़कों पर घूम रहे है।

उपायुक्त महावीर प्रसाद ने सभी अधिकारियों को सख्त आदेश देते हुए कहा कि बेसहारा पशुओं को पकड़ने के कार्य में और तेजी लाए जाने की जरूरत है, क्योंकि 6 अगस्त से 11 अगस्त तक कुरुक्षेत्र जिले से 95 बेहसहारा पशुओं को गौशालाओं तक पहुंचाया गया है। इसके अलावा पशुपालन विभाग की तरफ से 5 गौशालाओं में जाकर 98 पशुओं की टैगिंग का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी 15 दिनों में कुरुक्षेत्र को बेसहारा पशुओं से मुक्त करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए रोजाना लगभग 100 बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौशालाओं तक पहुंचाना होगा।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार के आदेशानुसार बेसहारा पशुओं को 31 अगस्त तक गौशालाओं तक पहुंचाना है, इसके लिए दिन रात मेहनत करनी होगी और बकायदा निर्धारित योजना के अनुसार कार्य करना होगा। अगर किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो सम्बन्धित अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। उन्होंने पशुपालकों से भी अपील करते हुए कहा कि दुधारू पशुओं को बेसहारा सड़कों पर ना छोडे, अगर पालतू पशु सड़कों पर बेसहारा पाए गए तो सम्बन्धित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मिशन 2027 – बसपा का नया दांव, सोशल इंजीनियरिंग छोड़ अब 'ओबीसी' पर फोकस

गजब हरियाणा न्यूज

आगरा । उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी चुनावी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। कभी 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' का नारा देकर सोशल इंजीनियरिंग से सत्ता तक पहुंचने वाली बसपा ने अब अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को अपना मुख्य लक्ष्य बनाया है। इस नई रणनीति का परीक्षण पार्टी आगामी पंचायत चुनावों में करने जा रही है।

बसपा ने दलित, मुस्लिम, ब्राह्मण और वैश्य समाज के वोटों को एकजुट कर उत्तर प्रदेश में सरकार बनाई थी। हालांकि, पिछले कुछ चुनावों से पार्टी का यह फॉर्मूला कमजोर होता दिख रहा है। पार्टी के मूल वोट बैंक में भी बिखराव की खबरें हैं, और कई अन्य दल भी इसी वोट बैंक पर अपनी नज़रें गड़ाए हुए हैं। ऐसे में बसपा सुप्रीमो मायावती ने सत्ता में वापसी के लिए एक नया 'ओबीसी' दांव खेला है।

बसपा ने अपनी इस रणनीति को ज़मीनी स्तर पर उतारना शुरू कर दिया है। आगरा में पार्टी ने शिव सिंह कुशवाहा को ओबीसी का ज़िला संयोजक नियुक्त किया है। पंचायत चुनावों में भी ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने का फैसला लिया गया है।

पार्टी का लक्ष्य है कि पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति, मुस्लिम और ओबीसी के वोटों को एकजुट करके जीत हासिल की जाए। बसपा के जिलाध्यक्ष विमल वर्मा के अनुसार, पिछले पंचायत चुनावों में मिली 19 सीटों की संख्या को दोगुना करने के लिए बूथ स्तर पर काम किया जा रहा है। 'एक बूथ पर पांच यूथ' की रणनीति के तहत युवाओं को जोड़ा जा रहा है, जिसमें ओबीसी वर्ग को खास प्राथमिकता दी जा रही है। इन चुनावों के नतीजे ही 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रूपरेखा तैयार करेंगे।

संपादकीय.....

किस दिशा में जा रहा देश

आज का भारत एक चौराहे पर खड़ा है, जहां एक ओर तेजी से हो रहा आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति दिखाई देती है, वहीं दूसरी ओर कुछ सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियां भी मुंह बाए खड़ी हैं। यह सवाल कि देश किस दिशा में जा रहा है? उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि इसका जवाब।

पिछले कुछ दशकों में भारत ने आर्थिक मोर्चे पर शानदार तरक्की की है। हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों ने देश में इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया है। यूपीआई (UPI) जैसी भुगतान प्रणालियों ने डिजिटल लेनदेन को आम बना दिया है, जिससे न केवल आर्थिक पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि देश के सुदूर इलाकों तक वित्तीय सेवाएं भी पहुंची हैं। भारत अब केवल एक उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है, जो दुनिया के बड़े फैसलों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

भारत की दिशा को सबसे अधिक प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है तकनीकी क्रांति। स्मार्टफोन और इंटरनेट की सुलभता ने सूचना और ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाया है। यह तकनीकी लहर हमारे युवा वर्ग के लिए नए अवसर पैदा कर रही है, जो आज स्टार्टअप्स, आईटी और सर्विस सेक्टर में दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहे हैं। भारत की 65त्न से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो कि एक विशाल मानव संसाधन है। अगर इस शक्ति का सही उपयोग किया जाए, तो यह देश को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

हालांकि, इस चमकदार तस्वीर के पीछे कुछ गहरी चिंताएं भी हैं। आर्थिक विकास का लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचा है। आय असमानता लगातार बढ़ रही है, जहां एक तरफ कुछ लोग अत्यधिक धनवान हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एक बड़ा वर्ग गरीबी और बेरोजगारी से जूझ रहा है। ग्रामीण और शहरी भारत के बीच की खाई भी बढ़ रही है। इसके अलावा, देश का सामाजिक ताना-बाना भी दबाव में है। जाति, धर्म और क्षेत्र के नाम पर बढ़ती विभाजनकारी राजनीति देश की एकता और सद्भाव के लिए खतरा पैदा कर रही है।

भारत का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम अपनी उपलब्धियों को कैसे संभालते हैं और चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं। हमें आर्थिक विकास की गति को बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि इसका लाभ समाज के सबसे कमजोर तबके तक पहुंचे। तकनीकी प्रगति का उपयोग केवल मुनाफा कमाने के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे क्षेत्रों में सुधार के लिए भी करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण, हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना होगा जहां हर नागरिक को समान अवसर मिले और सामाजिक सद्भाव बना रहे।

संक्षेप में, भारत एक ऐसी यात्रा पर है जहां संभावनाओं और चुनौतियों का मिश्रण है। यह हम सब पर निर्भर करता है कि हम किस रास्ते को चुनते हैं क्या हम केवल आर्थिक शक्ति बनकर रह जाएंगे, या एक ऐसा देश बनेंगे जो समावेशी, न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण भी हो? यह सवाल आज हर भारतीय के मन में है और इसका जवाब हमारा सामूहिक भविष्य तय करेगा।

मशहूर लेखक मदन जलंधरी को स्वर्ण पदक से नवाज़ा गया

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

बंगा । पंजाब के जाने-माने लेखक, समाज सुधारक और लोकप्रिय गीतकार, मदन जलंधरी, को हाल ही में बंगा में स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें साहित्य और समाज में उनके अमूल्य योगदान के लिए दिया गया।

बंगा के एक निजी पैलेस में आयोजित समारोह में, कुलविंदर किंदा इटली और उनके सहयोगियों ने मिलकर मदन जलंधरी को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। इस खास मौके पर मशहूर गायक कंठ कलेर भी मौजूद थे, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मदन जलंधरी ने अपनी लेखनी के जरिए गुरु साहिबों के जीवन और मिशनरी गीतों को एक नई पहचान दी है। उन्होंने कई पंजाबी सांस्कृतिक गीतों की रचना भी की है, जो युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

सम्मान समारोह में कुलविंदर किंदा इटली, सतपाल साहलों, प्रवीण बंगा, कीमती लाल और गायक रूप लाल धीर जैसी कई हस्तियां उपस्थित थीं। सभी ने मदन जलंधरी की कलम और उनके व्यक्तित्व की सराहना की।

इस सम्मान को प्राप्त करने के बाद, मदन जलंधरी ने कहा कि उन्होंने अपना पूरा जीवन सतगुरु रविदास जी और बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर जी के मिशन को समर्पित कर दिया है। उन्होंने यह भी वादा किया कि वह अपने गीतों के माध्यम से इन महान हस्तियों के संदेशों का प्रसार जारी रखेंगे। यह सम्मान उनके दशकों के अथक परिश्रम और समाज के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

BSNL का खास फ्रीडम प्लान 4G का अनुभव अब केवल 1 में

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। बीएसएनएल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर अपने नए ग्राहकों के लिए एक जबरदस्त ऑफर लॉन्च किया है। कंपनी ने 'फ्रीडम प्लान' पेश किया है, जिसके तहत ग्राहक सिर्फ 1 में एक महीने के लिए बीएसएनएल की नई 4त्न सेवाओं का मजा ले सकते हैं।

इस प्लान में ग्राहकों को एक महीने के लिए रोजाना 2त्नक्कडेटा और अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधा मिलेगी। सबसे अच्छी बात यह है कि इस प्लान के साथ सिम कार्ड भी बिलकुल मुफ्त मिलेगा।

यह शानदार ऑफर 31 अगस्त, 2025 तक लागू रहेगा, इसलिए नए ग्राहकों के पास बीएसएनएल की 4त्न सेवाओं को आज़माने का बेहतरीन मौका है।

कुरुक्षेत्र दूरसंचार विभाग के उप मंडल अभियंता वीरेंद्र भोरिया ने बताया कि बीएसएनएल ने हाल ही में पूरे हरियाणा में 2,250 से ज़्यादा टावरों से स्वदेशी 4G सेवाओं की शुरुआत की है। उनका कहना है कि इस प्लान से ग्राहक बिना किसी बड़े खर्च के इन सेवाओं का अनुभव ले पाएंगे।

कुरुक्षेत्र में गूंजी शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी की अमृतवाणी, 10वें सत्संग समागम का भव्य आयोजन

दुनिया में ईश्वर के अलावा दूसरा कोई नहीं: भाई राजवीर

कहा : जो दीन-दुखियों की पुकार सुनकर उनके कष्ट दूर कर सके

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। धर्म और कर्मनगरी कुरुक्षेत्र के प्राचीन ऐतिहासिक शिरोमणी सतगुरु रविदास अस्थान में बीटीएफ हरियाणा टीम और बेगमपुरा मानव सेवा ट्रस्ट ने 10वें सत्संग समागम का सफल आयोजन किया। इस पावन अस्थान की देखरेख श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा करती है, जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत कर अपनी आस्था प्रकट की।

दरबार में रविदासिया धर्म के प्रचारक भाई राजवीर गरनाला (अम्बाला) ने मुख्य प्रचारक के रूप में शिरकत की। उन्होंने शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी और बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला और उनके द्वारा किए गए समाज सुधारक कार्यों को याद किया। राजवीर गरनाला ने अपनी मधुर वाणी में गुरु रविदास महाराज जी की अमृतबाणी के शब्दों को गाकर संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने 'साची प्रीत हम तुम सियो जोरी' जैसे शब्दों का अर्थ समझाते हुए बताया कि सच्ची भक्ति और प्रेम केवल ईश्वर से ही होता है। 'मेरी प्रीत गोबिंद सियो जिन घटे' के माध्यम से उन्होंने ईश्वर के प्रति कभी न खत्म होने वाली अटूट भक्ति का संदेश दिया। 'ऐसी लाल तुझ बिन कौन करे' शब्द से उन्होंने बताया कि इस दुनिया में ईश्वर के अलावा कोई ऐसा नहीं है जो दीन-दुखियों की पुकार सुनकर उनके कष्ट दूर कर सके। 'बिसर गई सब तात पराई - जब ते साध संगत मोहे पाई,' से उन्होंने समझाया कि जब से हमें साधु-संतों का साथ मिला है, हमने अपने सारे दुख और परायेपन को भुला दिया है।

बीटीएफ के जिला अध्यक्ष सुनील चमारा ने बताया कि हर महीने के दूसरे रविवार को यहां कीर्तन दरबार का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-प्रदेश से संत, महात्मा और कीर्तनकार गुरु रविदास महाराज जी की अमृतबाणी का प्रचार-प्रसार करने आते हैं।

संगठन के संरक्षक धर्म सिंह क्रांति ने बताया कि रविदासिया धर्म ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विश्व के लगभग हर देश में गुरु रविदास महाराज जी का दरबार है, और प्रचारक उनकी विचारधारा को फैलाने में जुटे हैं। बीटीएफ टीम के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सुनहेड़ी ने कहा कि टीम ऐसे आयोजन समय-समय पर करती रहती है।

समागम में सुशील तंवर, रोशन लाल (पूर्व इंस्पेक्टर) और सामाजिक कार्यकर्ता नरेश दीदार नगर के परिवार की तरफ से लंगर की सेवा लगाई गई। इस अवसर पर डॉ जरनैल सिंह रंगा संपादक गजब हरियाणा, मनोज पलवल, रविंद्र चालिया, मास्टर नफे सिंह, साहिल कुमार, सरदार मान सिंह, कुलदीप सिंह, बिट्टू, पवन सरोहा, संजीव बाहमनिया, राज भौरिया, वीरेंद्र रॉय, रामदिया, रामकरण प्रिंसिपल, रमेश गौतम, रीटा सोलखे, बाला देवी, रानी, राजरानी, जिंदों, सरोज, रेखा सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

बैंक गांवों में शिविर लगाकर पुराने खातों की करें रि-केवाईसी: महावीर प्रसाद

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त महावीर प्रसाद ने कहा कि जिले के सभी गांवों में बैंक शिविर लगाकर पुराने जनधन योजना के तहत खोले गए खातों की रि-केवाईसी करें। इसके लिए 30 सितंबर तक अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में नागरिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन से नागरिकों को जोड़ें।

उपायुक्त महावीर प्रसाद ने कहा कि पीएम सुरक्षा बीमा योजना सरकार द्वारा शुरू की गई एक दुर्घटना बीमा योजना है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को सस्ती दरों पर दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करना है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को 2 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान किया जाता है। नामांकन की प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक है, जिससे नागरिक आसानी से इसमें शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रीमियम का भुगतान ऑटो डेबिट सुविधा के माध्यम से किया जा सकता है, जिससे प्रीमियम के भुगतान में सुविधा होती है। बीमाधारक की दुर्घटना में मृत्यु या स्थाई विकलांगता की स्थिति में परिवार की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है।

उपायुक्त महावीर प्रसाद ने कहा कि पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना सरकार द्वारा शुरू की गई एक जीवन बीमा योजना है, जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों को सस्ती दरों पर जीवन बीमा कवर प्रदान करना है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाता है। योजना बीमाधारक की अनुपस्थिति में परिवार की वित्तीय जरूरतों को पूरा

करने में मदद करती है।

उन्होंने कहा कि अटल पेंशन योजना सरकार द्वारा शुरू की गई एक सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पेंशन लाभ प्रदान करना है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए है जो असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं और जिनके पास नियमित पेंशन योजना की सुविधा नहीं है। उन्होंने कहा कि योजना में शामिल होने वाले लाभार्थी अपनी आयु और उनके द्वारा चुनी गई पेंशन राशि के आधार पर मासिक योगदान करते हैं। योजना के तहत लाभार्थी को 60 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद पेंशन का लाभ मिलना शुरू होता है। पेंशन की राशि लाभार्थी द्वारा चुनी गई राशि पर निर्भर करती है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा योजना में शामिल होने वाले लाभार्थियों को सह-योगदान प्रदान किया जाता है, जो योजना की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। लाभार्थी अपने परिवार के सदस्यों को योजना में नामांकित कर सकते हैं और नामिति के रूप में पंजीकृत कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का सवाल, निर्विरोध चुनाव में NOTA का विकल्प क्यों नहीं? केंद्र सरकार ने दिया जवाब

गजब हरियाणा न्यूज

नई दिल्ली । चुनाव प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से सवाल पूछा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जब किसी सीट पर केवल एक ही उम्मीदवार खड़ा होता है और उसे निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया जाता है, तो मतदाताओं को 'इनमें से कोई नहीं' (NOTA) का विकल्प क्यों नहीं दिया जाता?

यह मामला सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका से शुरू हुआ, जिसमें जनप्रतिनिधि अधिनियम, 1961 की धारा 53(2) को चुनौती दी गई है। यह धारा चुनाव आयोग को बिना वोटिंग के ही एकल उम्मीदवार को विजेता घोषित करने का अधिकार देती है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी और केंद्र का रुख

तीन जजों की बेंच, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस एन. कोटेश्वर सिंह शामिल थे, ने इस मामले की सुनवाई की। बेंच ने जोर देकर कहा कि मतदाताओं को किसी भी उम्मीदवार के प्रति गंभीर असंतोष व्यक्त करने का अवसर मिलना चाहिए।

इसके जवाब में केंद्र सरकार ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि NOTA को किसी उम्मीदवार का दर्जा नहीं दिया जा सकता है। कानून एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार, वोट देने का अधिकार एक कानूनी (सांविधिक) अधिकार है, न

कि मौलिक अधिकार। इस तर्क से यह संकेत मिलता है कि सरकार NOTA को एक उम्मीदवार के रूप में नहीं देखती है, जिस पर वोट डालकर किसी चुनाव के परिणाम को बदला जा सके।

स्थानीय और लोकसभा चुनावों में अंतर

इस बहस में एक और दिलचस्प पहलू सामने आया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) की तरफ से एडवोकेट प्रशांत भूषण ने बताया कि कुछ राज्यों ने स्थानीय चुनावों में एक कानून अपनाया है। इसके तहत, अगर किसी चुनाव में NOTA को किसी भी उम्मीदवार से ज्यादा वोट मिलते हैं, तो दोबारा चुनाव करवाया जाता है। हालाँकि, यह नियम लोकसभा या विधानसभा चुनावों में लागू नहीं होता है।

चुनाव आयोग ने भी इस मामले पर अपनी राय दी है। आयोग का कहना है कि अगर लोगों में किसी उम्मीदवार के प्रति 'गहरा आक्रोश' है, तो वे उसके खिलाफ एक स्वतंत्र उम्मीदवार भी खड़ा कर सकते हैं।

कबूतरों को दाना खिलाने पर एफआईआर, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, हाई कोर्ट के आदेश को रखा बरकरार

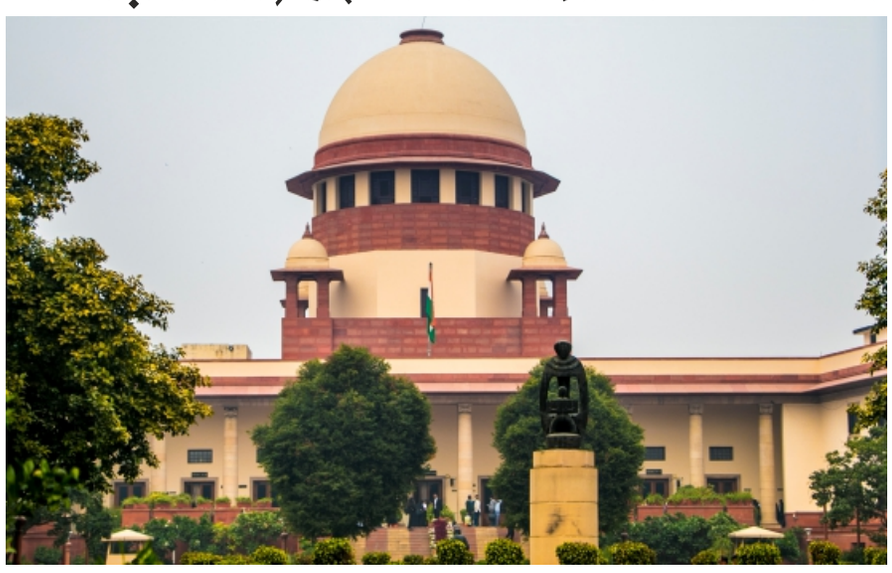

गजब हरियाणा न्यूज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के एक महत्वपूर्ण आदेश को बरकरार रखते हुए उन लोगों के लिए झटका दिया है जो सार्वजनिक स्थानों पर कबूतरों को दाना डालते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें मुंबई में कबूतरखानों में कबूतरों को दाना खिलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देश को चुनौती दी गई थी।

न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि अगर याचिकाकर्ताओं को आदेश में कोई बदलाव कराना है, तो उन्हें दोबारा हाई कोर्ट जाना चाहिए।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने क्यों दिया था यह आदेश?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह आदेश जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए दिया था। कोर्ट का मानना था कि कबूतरों का बड़े पैमाने पर जमावड़ा लोगों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए एक गंभीर स्वास्थ्य खतरा पैदा कर सकता है। कोर्ट ने भले ही पुराने कबूतरखानों को गिराने पर रोक लगा दी थी, लेकिन वहां पक्षियों को दाना डालने की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता है।

यह याचिका पल्लवी पाटिल, स्नेहा विसारिया और सविता महाजन ने दायर की थी, जिन्होंने बीएमसी के उस कदम का विरोध किया था, जिसमें बिना किसी कानूनी समर्थन के भोजन स्थलों को तोड़ा जा रहा था। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि बीएमसी का यह कदम पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन है।

इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को देखते हुए, शहरों में कबूतरों को दाना डालने की प्रथा पर अब सख्ती बरती जा सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख, सभी कुत्ते शेल्टर होम में रखे जाएंगे

गजब हरियाणा न्यूज

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के आतंक और उनके काटने की बढ़ती घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा और सख्त आदेश जारी किया है। कोर्ट ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए दिल्ली सरकार, एमसीडी और एनडीएमसी को तत्काल प्रभाव से सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होम में रखने का निर्देश दिया है।

ना वापस छोड़ा जाएगा, ना भावनाओं को मिलेगी जगह

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि एक बार पकड़े गए कुत्तों को किसी भी हाल में वापस उन्हीं इलाकों में नहीं छोड़ा जाएगा। कोर्ट ने साफ कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की भावनाओं को जगह नहीं दी जाएगी और आम जनता की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। इस आदेश का मुख्य मकसद राष्ट्रीय राजधानी को आवारा कुत्तों

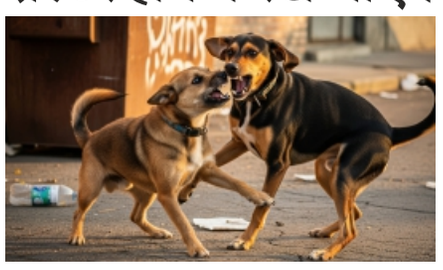

से पूरी तरह मुक्त करना है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दिल्ली-एनसीआर में कुत्तों के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरा पैदा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट का यह सख्त रुख दिखाता है कि वह इस समस्या को कितनी गंभीरता से ले रहा है। अदालत ने कहा कि इन कुत्तों को पकड़ने के बाद उनका उचित तरीके से पुनर्वास किया जाएगा, जिससे उनकी देखभाल भी सुनिश्चित हो सकेगी।

ब्रिटेन ने भारत को दिया बड़ा झटका अब पहले निर्वासन, फिर अपील

गजब हरियाणा न्यूज

लंदन । ब्रिटेन सरकार ने भारत को उन 15 देशों की सूची में शामिल कर दिया है, जिनके नागरिकों को अब एक नई और सख्त नीति का सामना करना होगा। इस नीति के तहत, अगर कोई भारतीय नागरिक ब्रिटेन में किसी अपराध का दोषी पाया जाता है, तो उसे पहले देश से बाहर निकाला जाएगा, उसके बाद ही वह अपने निर्वासन के खिलाफ अपील कर सकेगा। यह फैसला उन भारतीयों के लिए एक बड़ा झटका है जो अब तक मानवाधिकार कानूनों का हवाला देकर अपील की प्रक्रिया पूरी होने तक ब्रिटेन में रह सकते थे।

क्या है यह नई नीति?

ब्रिटेन सरकार की 'पहले निर्वासन, फिर अपील' (Deport First, Appeal Later) नामक इस नीति का सीधा उद्देश्य आपराधिक पृष्ठभूमि वाले विदेशी नागरिकों को तुरंत देश से बाहर भेजना है। सरकार का मानना है कि इससे जेलों में भीड़ कम होगी और देश में अपराध पर लगाम लगेगी। इस नियम के लागू होने के बाद, दोषी व्यक्ति अपने निर्वासन के फैसले के खिलाफ अपील करके ब्रिटेन में नहीं रह पाएगा।

नई व्यवस्था के अनुसार, निर्वासित किए गए भारतीय नागरिक को अपनी अपील की सुनवाई में भारत से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होना होगा। हालांकि, आतंकवादियों, हत्यारों और आजीवन कारावास की सजा काट रहे अपराधियों को इस नियम से छूट दी गई है। ऐसे लोगों को निर्वासन पर विचार करने से पहले अपनी पूरी सजा ब्रिटेन में ही काटनी होगी।

भारत पर इसका क्या असर होगा?

इस नए कानून के तहत, एक बार निर्वासन होने के बाद, किसी भी भारतीय के लिए दोबारा ब्रिटेन में प्रवेश करना लगभग असंभव हो जाएगा। हालाँकि, भारत सरकार पर यह निर्भर करेगा कि वापस लौटने वाले व्यक्ति को यहाँ जेल भेजा जाएगा या रिहा कर दिया जाएगा। यह फैसला ब्रिटेन और भारत के बीच हुए समझौतों और कानूनी प्रावधानों पर निर्भर करेगा।

अमृतवाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की

रविदास' जन्म के कारनै, होत न कोउ नीच,
नर कूँ नीच करि डारि है, ओछे करम की कीच ॥

जय गुरुदेव जी

व्याख्या: शिरोमणि सतगुरु रविदास महाराज जी इस श्लोक में यह संदेश देते हैं कि जन्म के आधार पर कोई व्यक्ति नीच या छोटा नहीं होता। हर व्यक्ति का जन्म समान रूप से पवित्र और श्रेष्ठ है। लेकिन जब कोई गलत कार्य करता है या अपने कर्मों में पवित्रता और सच्चाई नहीं रखता, तो उसके कर्म उसे नीच बना देते हैं।

धन गुरुदेव जी

बुद्ध और अंगुलिमाल

गौतम बुद्ध ने एक हत्यारे को संन्यास में दीक्षित किया, और वह हत्यारा कोई सामान्य व्यक्ति नहीं था।

रुडोल्फ हेस भी उसके सामने कुछ नहीं था। उसका नाम था अंगुलिमाल। अंगुलिमाल का अर्थ होता है, जिसने उँगलियों की माला पहनी हो।

उसने यह संकल्प लिया था कि वह एक हज़ार लोगों की हत्या करेगा, और प्रत्येक व्यक्ति की एक उँगली काटकर उनसे माला बनाएगा, जिससे वह गिन सके कि कितनों को मार चुका है। उसकी माला में 999 उँगलियाँ थीं, सिर्फ़ एक बाकी थी।

पर अब रास्ता बंद कर दिया गया था। राजा ने पहरे बिठा दिए थे ताकि कोई उस ओर न जाए, विशेषकर कोई अनजान व्यक्ति, क्योंकि उस पहाड़ी के पार एक भयानक हत्यारा रहता है।

लेकिन गौतम बुद्ध उसी मार्ग पर चल पड़े।

सैनिकों ने रोका

यह रास्ता मत लीजिए। यह मृत्यु का रास्ता है। खुद राजा भी उस रास्ते पर नहीं जाता। वह आदमी पागल है।

उन्होंने कहा, उसकी माँ ही कभी-कभी जाती थी उसे देखने, पर अब वह भी बंद हो गई है। आख़िरी बार वह मिली थी तो अंगुलिमाल ने कहा था 'अब एक ही उँगली बाकी है, और चूंकि तुम मेरी माँ हो, इसलिए चेतावनी देता हूँ, अगली बार आई तो वापस नहीं जा पाओगी।' तब से उसकी माँ भी नहीं गई।

सैनिकों ने कहा, अनावश्यक जोखिम मत लीजिए।

बुद्ध ने कहा

अगर मैं नहीं जाऊँगा, तो कौन जाएगा? केवल दो ही संभावनाएँ हैं

या तो मैं उसे बदल दूँगा,
या फिर मैं उसकी अंतिम उँगली बन जाऊँगा।

वैसे भी एक दिन मरना है। अगर मेरी मृत्यु किसी की शांति का कारण बन सके, तो इससे बेहतर क्या होगा?

बुद्ध चल पड़े।

उनके पीछे चलने वाले शिष्य धीरे-धीरे रुकने लगे।

कुछ ही मीलों में बुद्ध अकेले हो गए।

अंगुलिमाल चट्टान पर बैठा था।

उसने देखा

एक दिव्य पुरुष, अनुपम सौंदर्य और शांति के साथ उसकी ओर बढ़ रहा है।

उसका हृदय, जिसने हजारों को निर्दयता से मारा था,
पहली बार कोमल हो गया।

अंगुलिमाल ने तलवार निकालकर कहा

रुक जाओ! एक और क़दम आगे मत बढ़ाना। तुम्हारा जीवन खतरे में है!

बुद्ध बोले

क्या तुम जानते हो कि तुम कौन हो?

अंगुलिमाल चकित रह गया।

बोला,

यह समय दर्शन का नहीं है! मैं तुम्हें मार डालूँगा!

बुद्ध ने कहा

मुझे नहीं लगता कि मेरा जीवन संकट में है,
बल्कि तुम्हारा जीवन खतरे में है।

अंगुलिमाल

तुम पागल लगते हो!

बुद्ध बोले

मैं रुका हुआ हूँ बिल्कुल केंद्र में। मैं नहीं चल रहा, तुम मेरी ओर बढ़ रहे हो।

अंगुलिमाल ने कहा,

अगर तुम इतने अजीब हो, तो मारे ही जाओगे।

लेकिन उसके हाथ काँप रहे थे।

बुद्ध बोले

तुम्हारे हाथ काँप क्यों रहे हैं?
तुम तो इतने शक्तिशाली हत्यारे हो
मुझे मारो!
मेरी मृत्यु किसी के लिए उपयोगी हो, इससे बेहतर क्या?
पर मरने से पहले एक छोटी सी इच्छा है
क्या तुम वह शाखा काट सकते हो जिस पर फूल खिले हों?

अंगुलिमाल ने अपनी तलवार से शाखा काट दी।

बुद्ध बोले

अब इसे वापस उसी पेड़ पर जोड़ दो।

अंगुलिमाल स्तब्ध रह गया

यह कैसे हो सकता है?

बुद्ध ने कहा

यदि तुम जीवन नहीं दे सकते,
तो तुम्हें मृत्यु देने का कोई अधिकार नहीं।
अगर तुम सृजन नहीं कर सकते,
तो तुम्हारा संहार का भी कोई अधिकार नहीं है।

एक क्षण की निस्तब्धता,
एक अंतर-क्रांति —
तलवार हाथ से गिर गई।

अंगुलिमाल बुद्ध के चरणों में गिर पड़ा

मुझे नहीं पता आप कौन हैं,
पर मुझे वहाँ ले चलिए जहाँ आप हैं
मुझे दीक्षित करिए।

शिष्य पास आ गए और बोले

इसे मत दीक्षित करिए
यह हत्यारा है, निर्दयी है।

बुद्ध बोले

यदि मैं इसे नहीं करूँगा, तो कौन करेगा?
मुझे यह आदमी प्रिय है
इसमें साहस है।
जो एक हजार लोगों से लड़ सका,
वह अब समाज के विरुद्ध सत्य के लिए लड़ेगा।

मैंने कहा था
यहाँ कोई मारा जाएगा
या तो मैं,
या अंगुलिमाल।
अब तुम देख सकते हो,
अंगुलिमाल मर चुका है।
प्रश्न यह नहीं है कि कोई योग्य है या नहीं।
प्रश्न यह है कि क्या तुम्हारे भीतर प्रेम की संपदा है?
अगर है, तो क्षमा स्वत: फूटेगी।
यह गणना नहीं है यह प्रेम का सहज प्रवाह है।
जीवन प्रेम है।
प्रेम में जीना ही धर्म है, प्रार्थना है, शांति है, कृतज्ञता है, और वैभव है।

ओशो

बुद्ध प्रेरक कहानी – 1

समय कैसा भी हो, शांत रहना सीख जाओगे

ज़िन्दगी में सबसे मुश्किल लड़ाई बाहर की नहीं होती सबसे डरावनी, सबसे तकलीफदेह लड़ाई... हमारे अंदर चल रही होती है। वो लड़ाई, जहाँ एक तरफ़ हमारा डर खड़ा होता है, और दूसरी तरफ़ हमारा धैर्य। एक तरफ़ चीखते सवाल होते हैं कब तक सहूँ? और दूसरी तरफ़ होती है बुद्ध की वो शांत आँखें जो सिर्फ़ एक बात कहती हैं

शांत रहोज्समय बदल जाएगा।

लेकिन कैसे?

जब सब कुछ छिन जाए... जब रिश्ते टूट जाएँ... जब अपमान मिले... जब दुनिया हँसे... और तब भी अगर कोई कहे शांत रहो, तो क्या ये आसान है?

नहीं... ये आसान नहीं है। पर यही वो राह है, जहाँ से बुद्धत्व की शुरुआत होती है।

बहुत समय पहले की बात है... एक गाँव था, शांति से भरा, लेकिन वहाँ एक युवा था जो हर रोज़ खुद से लड़ता था। नाम था अर्जुन। पढ़ा-लिखा था, बुद्धिमान था, पर ज़िंदगी ने उसे बार-बार तोड़ा। पिता की मृत्यु बचपन में, माँ का बीमार पड़ना, कर्ज़ का बोझ, और ऊपर से रिश्तेदारों का ताना, कुछ करेगा भी या ऐसे ही रोएगा?

वो हर रोज़ एक पहाड़ की चोटी पर जाकर चिल्लाता था

हे भगवान! क्यों मैं? और कब तक?

लेकिन जवाब में सिर्फ़ हवा चलती... और सन्नाटा।

एक दिन, एक वृद्ध साधु उसी पहाड़ की चोटी पर बैठा मिला। शांत। स्थिर। मानो हवा भी उससे पूछकर गुजरती हो। अर्जुन गुस्से में बोला

आप चुप क्यों हैं? क्या आपको दर्द नहीं होता?

साधु मुस्कराया... और सिर्फ़ इतना कहा

समय कैसा भी हो, शांत रहना सीख जाओगे।

अर्जुन हँस पड़ा, ये कौन-सी किताबों की बात कर रहे हो? जब पेट में आग हो, मन में घाव हो, तब ये शांति के प्रवचन अच्छे लगते हैं?

तब साधु ने एक लंबी सांस ली और बोले

मैं एक कहानी सुनाऊँ?

बुद्ध एक गाँव में पहुँचे थे। वहाँ लोग उन्हें सुनने इकट्ठा हुए। एक आदमी ने उन्हें अपशब्द कहे, तुम झूठे हो! धोखेबाज़! खुद को भगवान कहने वाले!

बुद्ध ने कुछ नहीं कहा।

लोग चौंक गए, भगवान! आपने कुछ उत्तर क्यों नहीं दिया?

बुद्ध ने मुस्कराकर कहा

अगर कोई आपको उपहार दे और आप उसे स्वीकार ना करो, तो वो उपहार किसका रहता है?

लोग बोले, उपहार तो देने वाले का ही रहेगा।

बुद्ध बोले

बस, वैसे ही... मैंने उसकी गाली को स्वीकार ही नहीं किया। तो अब वो गाली मेरी नहीं है, उसकी है।

अर्जुन फूट-फूट कर रो पड़ा

मैं भी वही कर रहा हूँ... हर गाली, हर अपमान को पकड़ कर रख रहा हूँ... और खुद को जलाता जा रहा हूँ।

साधु बोले

समय चाहे कैसा भी हो अर्जुन... तू अगर बाहर की हलचल से खुद को जोड़ता रहेगा, तो तू कभी शांत नहीं होगा। लेकिन जब तू भीतर की शक्ति से जुड़ जाएगा, तो तूफ़ान भी तुझे हिला नहीं पाएगा।

साधु ने अर्जुन को तीन बातें बताईं, जो बुद्ध ने अपने शिष्यों को सिखाई थीं

सब कुछ अस्थायी है, चाहे दुख हो या सुख।
दुख आया है, जाएगा।
सुख आया है, जाएगा।
तू नहीं बदलेगा, अगर तू स्थिर रहना सीख जाए।
प्रतिक्रिया से पहले रुकना सीखो।
गुस्से में, डर में, दुख में, जो पहला जवाब आता है, वो अक्सर गलत होता है।
बुद्ध कहते थे, एक सांस लो, फिर उत्तर दो।
भीतर की आवाज़ को सुनो, बाहर की नहीं।
दुनिया बोलेगी, तेरे बस का नहीं।
मन कहेगा, मैं कर सकता हूँ।
फैसला उस आवाज़ का होना चाहिए, जो अंदर से आती है।

शेष अगले अंक में

थाईलैंड : पूरे देश में बौद्धों का श्मशान घाट डरावना नहीं बल्कि बहुत शांत, हरा भरा सुंदर और रमणीय होता है।

मृत व्यक्ति के दाह संस्कार की परंपरा बौद्ध अनुयायी देशों में बहुत तार्किक, वैज्ञानिक और पर्यावरण के पक्ष में होती है। यहाँ हर कॉलोनी में छोटे बुद्ध विहार से लेकर अलग अलग क्षेत्रों में बड़े बुद्ध विहार होते हैं। बुद्ध विहार परिसर में ही दाह संस्कार का स्थान होता है किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने पर देह को बुद्ध विहार के इस सभागृह में लाया जाता है सुंदर मंच पर तीन दिन रखा जाता है।

बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष भिक्षु आचार्य तीन दिन तक भगवान बुद्ध के सूत्रों का पठन कर श्रोताओं को अनित्य, अनात्म व दुख की अनुभूति कराते हैं। मृत व्यक्ति के परिजन, रिश्तेदार, मित्र सभी इन तीन दिनों तक वहां आते जाते रहते हैं। अगले दिन देह को इलेक्ट्रिक चेम्बर में रखा जाता है। चंद मिनटों में देह अस्थि अवशेषों में बदल जाती है। चैम्बर का ऊपरी भाग एक ऊँची चिमनी से जुड़ा होता है जिससे धुंआ निकलता है, बुद्ध विहार प्रबंधन द्वारा मृत व्यक्ति के परिजनों को अस्थि अवशेष सम्मान के साथ सौंपें जाते हैं। परिजन घर, खेत, विहार या अन्य स्थान पर अस्थि अवशेषों को भूमि में डाल कर उसपर बोधिवृक्ष लगाते हैं। इसके अलावा पर्यावरण व प्रकृति के ख़िलाफ़, समय व धन की बर्बादी वाले कोई कर्मकांड नहीं किए जाते हैं।

एक बड़े विहार परिसर के दर्शन करते समय इस स्थान को जब मैंने बाहर से देखा तो छोटा बुद्ध विहार समझा लेकिन अंदर से देखने पर दाह संस्कार स्थल का पता चला।

क्या भारत में भी हम ऐसी सुंदर ऐतिहासिक परंपरा फिर से शुरू कर सकते हैं?

सबका मंगल हो.. सभी प्राणी सुखी हो

डॉ एम एल परिहार
पाली. जयपुर

(ज्ञान होते हुए भी किसलिए भटकते हे)

सकून की तलाश

एक दुःखी व्यक्ति अपने हालात से दुखी होकर एक संत के पास आया और बोला की मेरी जीवन जीने की इच्छा समाप्त हो चुकी है।

मुझे बताएं की मैं क्या करूं?

संत बोले किससे दुखी हो। वह बोला, अपने परिवार के झगड़ों से और अपने कारोबार से।

संत बोले, तुम्हे भगवान् ने रोटी,कपडा और मकान जबसे तुम पैदा हुए तबसे तुम्हें इसका सुख दिया है।

जीवन में उतार चढ़ाव, यह तो प्रकृति का नियम है।

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी,कबीर साहेब ,गुरु नानक देव,साईं बाबा और भगवान् महावीर जैन, न जाने ऐसे कितने ही लोगों ने अपने जीवन में संघर्ष किया।

परंतु विजय उसी की हुई जिसने वक्त को स्वीकार किया, अपने भूत से कुछ सीखा और भविष्य की चिंता न कर वर्तमान में जीना सीखा।

हर क्षण इंसान का अंतिम क्षण होता है।

इसलिए रोने की बजाये धन्यवाद करना सीखो।

श्वांसो की क़ीमत तब तक कोई नहीं जानता जब तक ये रुकने न लगें हमारे अंदर जो साँस चल रही है वो ईश्वर की सबसे बड़ी कृपा है हम पर आज आपने कितनी साँसे ली कभी आपने इसे अहसास किया है।

आप अपनी हर बहुमूल्य वस्तु का ध्यान रखते हो मगर कभी इस बहुमूल्य वस्तु की तरफ़ सोंचकर उस परमात्मा का धन्यवाद किया है जिसकी वजह से हमारा अस्तित्व है।

अच्छा, साँसों का भी एक अटल क़ानून है वैसे तो ये आती जाती रहती हैं परंतु जब ये अंतिम रूप से चली जाती है तो लौट के नहीं आती संसार की कोई ताक़त कोई सिफ़ारिश उसे वापस बुला नहीं सकती ना तो आप इसका आदान प्रदान कर सकते हो जिस दिन यह समाप्त हम आप भी समाप्त।

जिस अनमोल ख़ज़ाने के साथ हमारा जन्म हुआ जो ख़ज़ाना हमें ईश्वर ने दिया हम उसका धन्यवाद ना करके उस ख़ज़ाने की कद्र किए बिना दुनिया की सारी बातों का ध्यान रखते है परंतु न तो इस ख़ज़ाने का ना ही इसे देने वाले का कभी भी ध्यान देते है न ही धन्यवाद करते है।

जिस दिन इन श्वांसो का आना जाना बंद हो जाएगा सारे रिश्ते नाते मान सम्मान धन वैभव समाप्त हो जाएगा इस लिए इस बहुमूल्य खजाने की कद्र करें और उसे देने वाले का स्वाँस स्वाँस धन्यवाद करें।

मैं तो केवल मार्ग बता सकता हूँ, चलना तुम्हे स्वयं ही पडेगा।

सृष्टि कर्म के आधार से चल रही है। भाग्य, सुख और दुःख कर्म के आधार से ही बनते हैं।

दुआओं से भाग्य जमा होता है, सुख देने से सुख मिलता है,क्रोध करने से दुःख मिलता है। युक्ति युक्त बोल और मौन रहने से सकून मिलता है।

अब भाग्य की कलम तुम्हारे हाथ में है जैसा लिखना चाहो वैसा लिख लो।

वह दुखी व्यक्ति गुरु का ज्ञान सुनने के बाद बोला, गुरूजी, मैं यह सब जानते हुए भी अपने मार्ग से भटक गया था।

मार्ग दर्शन के लिए सबसे पहले आपका , फिर प्रभु का धन्यवाद।

जो प्राप्त है-पर्याप्त है।
जिसका मन मस्त है।
उसके पास समस्त है!

मेडिकल स्टोर खोलने के लिए क्या चाहिए? जानें योग्यता और जरूरी नियम

मेडिकल स्टोर या फार्मेसी सिर्फ एक दुकान नहीं, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा एक महत्वपूर्ण व्यवसाय है। यही कारण है कि इसे खोलने के लिए कुछ खास नियमों और योग्यताओं का पालन करना अनिवार्य है। अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो यह जानना बेहद जरूरी है कि मेडिकल स्टोर कैसे खोला जाता है और इसके लिए क्या शर्तें पूरी करनी होती हैं।

जरूरी डिग्री और योग्यता

दवाइयों का कारोबार शुरू करना किसी किराना दुकान खोलने जैसा नहीं है। भारत में, किसी भी मेडिकल स्टोर का संचालन तभी किया जा सकता है जब वहां एक लाइसेंस प्राप्त फार्मासिस्ट मौजूद हो।

मेडिकल स्टोर का मालिक बनने या उसे चलाने के लिए आपके पास फार्मेसी की डिग्री होना

जरूरी है। भारत में इसके लिए दो मुख्य डिग्रियां हैं

1.डिप्लोमा इन फार्मेसी (D. Pharm) यह एक 2 साल का डिप्लोमा कोर्स है।

2.बैचलर इन फार्मेसी (B. Pharm) यह एक 4 साल का डिग्री कोर्स है।

इन दोनों डिग्रियों को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (PCI) से मान्यता प्राप्त संस्थान से प्राप्त करना अनिवार्य है। इन डिग्रियों के बिना, आपको दवा बेचने का लाइसेंस नहीं मिलेगा।

बिना डिग्री के कैसे खोलें मेडिकल स्टोर?

अगर आपके पास फार्मेसी की डिग्री नहीं है, तो भी आप मेडिकल स्टोर खोल सकते हैं। इसके लिए एक आसान रास्ता है आपको एक ऐसे व्यक्ति को नौकरी पर रखना होगा, जिसके पास D. Pharm या B. Pharm की डिग्री हो और उसका नाम स्टेट फार्मेसी काउंसिल में दर्ज हो।यह सुनिश्चित करना होगा कि वह लाइसेंसधारी फार्मासिस्ट दुकान के कामकाजी घंटों के दौरान मौजूद रहे। याद रखें, मेडिकल स्टोर खोलने के लिए केवल पैसा काफी नहीं है। यह लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा काम है, इसलिए सरकार ने इसके लिए कड़े नियम बनाए हैं ताकि दवाओं की गुणवत्ता और सही उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। सही डिग्री, लाइसेंस और कानूनी जानकारी के साथ ही आप इस जिम्मेदारी भरे व्यवसाय को सफलतापूर्वक चला सकते हैं।

घरौंडा में अवैध कॉलोनी के विरूद्ध डीटीपी की कार्रवाई

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा । जिला नगर योजनाकार गुंजन ने बताया कि शुक्रवार को घरौंडा में एक अवैध कॉलोनी के विरूद्ध तोडफोड़ की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि लगभग 8 एकड़ में हसनपुर रोड कस्बा घरौंडा पर स्थित अवैध कॉलोनी में सभी कच्ची सड़कों के विरूद्ध तोडफोड़ की कार्रवाई की गई। इस दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट घरौंडा नगर पालिका सचिव व थाना घरौंडा की पुलिस फोर्स सहित जिला नगर योजनाकार की टीम मौके पर उपस्थित रही।

जिला नगर योजनाकार ने अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा प्रशासन द्वारा तोडफोड़ की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोडफोड़ की कार्रवाई जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी।

पुराने वाहनों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, 10 साल पुराने डीजल, 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं

गजब हरियाणा न्यूज

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक बड़ा आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के मालिकों के खिलाफ फिलहाल कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह फैसला दिल्ली सरकार की एक याचिका पर आया, जिसमें 2018 के प्रतिबंध लगाने वाले आदेश पर फिर से विचार करने की मांग की गई थी।

सुनवाई में क्या हुआ?

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ के सामने दिल्ली सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें रखीं। उन्होंने कोर्ट से अनुरोध किया कि दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर तत्काल कोई कार्रवाई न की जाए।

दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि 2018 में दिया गया पुराना आदेश किसी वैज्ञानिक आधार पर आधारित नहीं था। सरकार ने कहा कि नए बीएस - 4 इंजन वाले वाहन कम प्रदूषण फैलाते

हैं, लेकिन उम्र के आधार पर प्रतिबंध लगाने से वे भी कुछ ही सालों में सड़कों से हट जाएंगे, जो कि ठीक नहीं है।

सरकार के अन्य तर्क

दिल्ली सरकार ने कोर्ट में कई और महत्वपूर्ण बातें भी रखीं, जैसे

प्रदूषण नियंत्रण के नए उपाय- सरकार ने बताया कि अब क्लीन फ्यूल और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे प्रदूषण कम हो रहा है।

वैज्ञानिक आधार की कमी सरकार का कहना है कि सिर्फ उम्र के आधार पर प्रतिबंध लगाना सही नहीं है, बल्कि प्रदूषण फैलाने के वास्तविक स्तर के आधार पर फैसला होना चाहिए।

आम लोगों को परेशानी : 2018 के आदेश से बड़ी संख्या में उन लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है, जिनके पास ऐसे पुराने वाहन हैं जो मानकों का पालन करते हैं।

सेकंड-हैंड मार्केट पर असर याचिका में यह भी बताया गया कि प्रतिबंध से गरीब और मध्यम वर्ग के लिए सेकंड-हैंड वाहनों का बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

यह मामला 2015 में एनजीटी के एक आदेश से शुरू हुआ था, जिसे 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। अब इस नए आदेश से पुराने वाहनों के मालिकों को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली सरकार ने केंद्र और सीएक्यूएम (CAQM) से भी एक व्यापक अध्ययन की मांग की है ताकि प्रदूषण से निपटने के लिए एक वैज्ञानिक और प्रभावी नीति बनाई जा सके।

बाबू मूलचंद राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस आयोजित

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । बाबू मूलचंद राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े उत्साह एवं जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य राकेश भाटिया की अध्यक्षता में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एपीओ मीनाक्षी, इंद्री आईटीआई की प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन ललित रावत द्वारा किया गया।

एपीओ मीनाक्षी ने अपने संबोधन में युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका एवं कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के युवा तकनीकी दक्षता सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ देश को नई ऊँचाइयों पर ले जा सकते हैं। इस अवसर पर

विभिन्न वक्ता ने अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2025 के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवा दिवस की थीम लोकल यूथ एक्सस फोर दा एसडीजीएस एण्ड बियोन्ड है। इस दौरान गुलशन कुमार, सुमेर लाठर, मीनाक्षी,शिल्पा एवं रणबीर ने अपने विचार साझा किए। प्रधानाचार्य राकेश भाटिया ने अपने संबोधन में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का उद्देश्य युवाओं में जागरूकता लाना और उन्हें जीवन में सही दिशा प्रदान करना है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका: विधायक

गढ़ी जाटान में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

इंद्री/ करनाल, विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने रविवार को गांव गढ़ी जाटान में भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने युवाओं से डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के आदर्शों का पालन करने और शिक्षित होकर समाज में बदलाव लाने का आह्वान किया। इस मौके पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्श हमें समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के पथ पर आगे बढने की प्रेरणा देते हैं। आज का यह आयोजन न केवल सम्मान का प्रतीक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत भी रहेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन समाज के वंचित और शोषित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने सभी नागरिकों को समानता और न्याय का अधिकार दिया।

उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर अपने पूरे जीवन में समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के सम्मान और अधिकारों के लिए लड़ते रहे। सबके साथ समान व्यवहार, समान न्याय व सबके पास समान अधिकार हो बाबासाहेब पहले दिन से ही इसके लिए संघर्ष करते रहे। बाबा साहेब किसी एक समाज के नहीं थे वह तो पूरे देश की अमानत है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव, जात- पात के संविधान का निर्माण किया। आज जो हम सबको समानता का अधिकार है वह बाबा साहेब की ही देन है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का जो संदेश दिया, वह आज भी हमारे लोकतांत्रिक ढांचे की मूल आधारशिला है। ऐसे महान व्यक्तित्व को स्मरण करना केवल एक परंपरा

निर्वहन नहीं, बल्कि हमारे नैतिक दायित्वों का निर्वाह है।

इस मौके पर पंचायत समिति चेयरपर्सन उषा कटारिया, पंचायत समिति सदस्य अनीता, सरंपच रविंद्र दत्त शर्मा, भाजपा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हरियाणा के नारायणगढ़ में पेपरलेस रजिस्ट्रेशन सिस्टम की शुरुआत

गजब हरियाणा न्यूज/ राहुल

नारायणगढ़ । हरियाणा के नारायणगढ़ में आज एक नई शुरुआत हुई। अब यहां के नागरिकों को संपत्ति की रजिस्ट्री के लिए कागजी कार्यवाही से मुक्ति मिल गई है। इस नई पेपरलेस रजिस्ट्रेशन प्रणाली का उद्घाटन एसडीएम शिवजीत भारती ने किया। उन्होंने बताया कि यह सुविधा अब नायब तहसीलदार कार्यालय में भी मिलेगी, जिससे लोगों को अपने काम के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

एसडीएम ने इस नई तकनीक को राज्य सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान का एक बड़ा हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि इससे रजिस्ट्री का काम अब और भी तेज, आसान और पारदर्शी हो जाएगा। इस सिस्टम में सभी जरूरी काम जैसे रजिस्ट्री की तारीख लेना, स्टैंप ड्यूटी भरना, रजिस्ट्री बनाना और उसे स्कैन करना, सब ऑनलाइन होगा।

उन्होंने यह भी बताया कि इस सुविधा से

काम में लगने वाला समय कम होगा और लोगों को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इससे भ्रष्टाचार पर भी रोक लगेगी। नायब तहसीलदार वीरेंद्र गुलाटी ने कहा कि यह प्रणाली सभी के लिए फायदेमंद होगी।

यह नई प्रणाली हरियाणा में सबसे पहले नारायणगढ़ में शुरू की गई है, जो राज्य के अन्य हिस्सों के लिए एक मिसाल बनेगी। इससे सरकार की पेपरलेस और डिजिटल सेवाएं देने की प्रतिबद्धता साफ दिखती है।

अनिल विज ने रोटरी क्लब अम्बाला सैंट्रल के कार्यों की सराहना की, 'समय दान' सबसे बड़ा दान

गजब हरियाणा न्यूज/शेर सिंह

अम्बाला । हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने रोटरी क्लब अम्बाला सैंट्रल को समय दान करने वाला एक उत्कृष्ट संगठन बताया। अम्बाला शहर के किंगफिशर पर्यटन स्थल में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, विज ने क्लब के समाज सेवा के प्रयासों की सराहना की।

विज ने कहा कि समय दान सबसे बड़ा दान है,और रोटरी क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों को काफी सराहनीय बताया। उन्होंने क्लब की निस्वार्थ भावना की प्रशंसा की, जो समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए अपना कीमती समय देते हैं। उन्होंने जोर दिया कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रोटरी क्लब अम्बाला सैंट्रल लंबे समय से स्वास्थ्य शिविर, शैक्षिक सहायता और अन्य सामुदायिक विकास परियोजनाओं सहित विभिन्न सामाजिक पहलों में सक्रिय रहा है। क्लब के सदस्यों ने मंत्री को अपनी हाल की और आगामी परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में मंत्री अनिल विज के साथ-साथ क्लब के कई सदस्य और स्थानीय नेता भी मौजूद थे। सभी ने समाज के प्रति क्लब के समर्पण की सराहना की और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं। मंत्री विज ने यह भी कहा कि सरकार भी सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर समाज की भलाई के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर, रोटरी क्लब के अध्यक्ष ने मंत्री विज का आभार व्यक्त किया और उन्हें क्लब की एक स्मृति चिन्ह भेंट की। उन्होंने यह भी दोहराया कि क्लब समाज की सेवा के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेगा।

न्यायाधीशों को निशाना बनाना अब ट्रेंड, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, ना माफी, ना वापसी

गजब हरियाणा न्यूज

नई दिल्ली । देश के सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीशों पर हो रहे हमलों को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बी.आर. गवई ने इस प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि जजों को निशाना बनाना एक ट्रेंड बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने एक अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान साफ कर दिया कि वकीलों द्वारा उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों के न्यायाधीशों की आलोचना करने का यह चलन अस्वीकार्य है और इस पर तुरंत अंकुश लगाना होगा।

जजों को निशाना बनाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

एक अवमानना मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हमने देखा है कि आजकल बिना किसी कारण के हाई कोर्ट और निचली अदालतों के न्यायाधीशों की आलोचना करना वकीलों के बीच एक चलन बन गया है। पीठ ने सख्त लहजे में कहा कि हाई कोर्ट के जज संवैधानिक पदाधिकारी हैं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के जजों के समान ही सम्मान और सुरक्षा प्राप्त है।

न माफी, न याचिका वापसी की इजाजत

मामला तेलंगाना हाई कोर्ट के एक मौजूदा जज के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाने से जुड़ा था। पिछली सुनवाई में अदालत ने इन आरोपों को गंभीरता से लिया था और अवमानना का नोटिस जारी किया था। सोमवार को सुनवाई के दौरान, जब संबंधित वकील ने माफी मांगने या याचिका वापस लेने का अनुरोध किया, तो सीजेआई गवई ने तुरंत इसे ठुकरा दिया। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा, हम न तो माफी देंगे और न ही याचिका वापसी की इजाजत देंगे। जजों को टारगेट करना एक ट्रेंड बन चुका है।

सीजेआई ने वकील से सवाल किया, एक जिम्मेदार अधिकारी के रूप में, क्या आपका कर्तव्य नहीं था कि आप ऐसी याचिका पर हस्ताक्षर करने से पहले सावधानी बरतते? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसी याचिकाओं का मसौदा तैयार करने वाले और उन पर हस्ताक्षर करने वाले वकील भी अवमानना के लिए समान रूप से जिम्मेदार होते हैं। इस सख्त रुख से सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक मर्यादा बनाए रखने और जजों के सम्मान की रक्षा का मजबूत संदेश दिया है।

स्वरोजगार के लिए 1 से 2 लाख रुपये तक ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा: डीसी पार्थ गुप्ता

21 अगस्त तक पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

यमुनानगर । उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने अनुसूचित वर्ग के पात्र लाभार्थियों से हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि निगम का मुख्य उद्देश्य हरियाणा के अनुसूचित जाति के सदस्यों को स्वयं रोजगार करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस दिशा में विभिन्न बैंकों, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम तथा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से तीन तरह के लाभ प्रदान किए जाते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि अनुसूचित जाति के सदस्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से, जोकि प्रार्थी हरियाणा का स्थाई निवासी हो, प्रार्थी की परिवार पहचान पत्र के अनुसार वार्षिक आय 3 लाख रुपये तक हो, प्रार्थी की आयु 18 से 45 वर्ष तक हो, प्रार्थी निगम का और बैंक का डिफॉल्टर न हो, प्रार्थी द्वारा निगम से लिये गये पहले किसी ऋण का दुरुपयोग न किया हो, वह प्रार्थी ब्यूटी पार्लर, किरयाना दुकान, मनियारी दुकान, कपड़ा कार्य, ई-रिक्शा, बिजली सामान/मुरम्मत कार्य, मोबाईल रिपेयर शॉप, कम्प्यूटर कार्य इत्यादि व्यवसायों के लिए, सूक्ष्म वित्त योजना (6.5 प्रतिशत ब्याज दर) के तहत एक लाख रुपये तक और सावधि ऋण योजना (8 प्रतिशत ब्याज दर) के तहत दो लाख रूपये तक के ऋण ले सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस स्कीम के अंतर्गत हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा कुल लागत राशि का 50 प्रतिशत या अधिकतम 50 हजार रूपये तक का अनुदान निगम द्वारा दिया जायेगा। इन स्कीमों के लिए आवेदन करने के लिए पोर्टल 21 अगस्त 2025 तक खुला रहेगा। इसके लिए आवेदन हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की वेबसाईट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट एचएससीएफडीसी डॉट ओआरजी डॉट इन पर किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए प्रार्थी किसी भी कार्यदिवस में अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के यमुनानगर कार्यालय में व्यक्तिगत तौर पर आकर अथवा दूरभाष नं. 01732-257829 पर सम्पर्क कर सकता है।

उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र के अनुसार 3 लाख रुपये तक की आय वाले अनुसूचित जाति के सदस्य ब्यूटी पार्लर, किरयाना दुकान, मनियारी दुकान, कपड़ा कार्य, ई-रिक्शा, बिजली समान/मुरम्मत कार्य, मोबाईल रिपेयर शॉप, कम्प्यूटर कार्य इत्यादि के लिए बैंकों के माध्यम से 1 लाख 50 हजार रुपये तक का ऋण ले सकते हैं। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा कुल लागत राशि का 50 प्रतिशत या अधिकतम 50 हजार रुपये तक का अनुदान व 10 प्रतिशत मार्जिन मनी 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर उपलब्ध करवाई जाती है। इसके अतिरिक्त बकाया ऋण बैंकों द्वारा दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय

सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम के वित्तीय सहयोग से भी सैनीटेशन कार्य में लगे राज्य के सफाई कर्मियों तथा उनके आश्रितों को ब्यूटी पार्लर, किरयाना दुकान, मनियारी दुकान, कपड़ा कार्य, ई-रिक्शा, बिजली समान/मुरम्मत कार्य, मोबाईल रिपेयर शॉप, कम्प्यूटर कार्य इत्यादि व्यवसायों के लिए 4 से 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर एक लाख रूपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाता है तथा इन स्कीमों का 5 प्रतिशत हिस्सा लाभार्थी द्वारा वहन किया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पिपली अनाज मंडी में आज होगी फुल ड्रेस रिहर्सल

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

कुरुक्षेत्र, नगराधीश आशीष कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पिपली अनाज मंडी में 14 अगस्त को सुबह 9 बजे फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त महावीर प्रसाद परेड की सलामी लेंगी। इसके अलावा स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। रिर्हसल में जिला प्रशासन के सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे।

उन्होने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में सरकारी व निजी स्कूलों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों, देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की बेहतरीन प्रस्तुति दी जाएगी। उन्होने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एनसीसी, एनएसएस, पुलिस जवान द्वारा परेड की जाएगी व सलामी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह को देशभक्ति की भावना के साथ भव्य रूप से मनाया जाएगा। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में हरियाणा की विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के मद्देनजर उपायुक्त द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि समारोह परिसर को सजाकर व पूरी तरह साफ-सुंदर बनाया जाए।

प्रकाशक , सम्पादक एवं मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा मेसर्स डी बी कार्प लिमिटेड प्लाट न.42 & 43 सेक्टर - 29, हुडा, पानीपत से छपवाकर कार्यालय ' गजब हरियाणा ' कोठी नं0 890 पी, सेक्टर - 4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (9138203233), Registretion Namber: HARHIN/2018/77311